>

Title : The Minister of State of the Ministry of Corporate Affairs and Minister of State of the Ministry of Minority Affairs laid a statement regarding status of implementation of the recommendations contained in the 77th Report of the Standing Committee on Finance on Demands for Grants (2008-09), pertaining to the Ministry of Corporate Affairs.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS AND MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF MINORITY AFFAIRS (SHRI SALMAN KHURSHEED): Madam, I beg to lay the statement on the status of implementation of recommendations contained in the Seventy-seventh Report of the Standing Committee on Finance (14th Lok Sabha) in pursuance of direction 73A of the hon. Speaker, Lok Sabha.

In all six recommendations were made by the Committee in Chapter I of the above report where action was required on the part of the Government. Besides, there were three recommendations contained in Chapter V of the Report, on which the Committee had observed that final replies of the Government were awaited. The present status of implementation of all the recommendations made by the Committee is given in the Annexure to this Statement which is laid on the Table of the House. I would not like to take the valuable time of the House to read out all the contents of the Annexure. I would request that this may be considered as read.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER : Now matters of urgent public importance under 'Zero hour'. Shri Gurudas Dasgupta to speak.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष महोदया, आप पहले अजनाला साहब को बोलने दीजिये।

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। शून्य प्रहर चलने दीजिये। आपने प्रश्न काल नहीं चलने दिया, अब शून्य प्रहर चलने दीजिये।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रतन सिंह अजनाला (खडूर साहिब): अध्यक्ष महोदया, पहले मुझे कहने दीजिये।

अध्यक्ष महोदया : नहीं, आप बैठ जाइये। पहले गुरुदास दासगुप्ता को बोलने दीजिये। पहले शून्य प्रहर चलने दीजिये। बहुत से सदस्यों ने इम्पार्टेंट बातें उठानी हैं। पहले आप उन्हें बोलने दीजिये।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रतन सिंह अजनाला : अध्यक्ष महोदया, हमारे साथ यह अच्छा नहीं कर रही हैं।

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। श्री गुरुदास दासगुप्ता जी।

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्ष महोदया, अगर आप चाहती हैं कि हाउस नहीं चले तो नहीं चलेगा। इसलिये हम लोग कह रहे हैं कि पहले डा. अजनाला जी को बोलने दीजिये।

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाये। पहले शून्य प्रहर चलने दीजिये। मैंने श्री गुरुदास दासगुप्ता को बुलाया है।

*(Interruptions) â€¦**

श्री गुरुदास दासगुप्त (घाटल): मैडम स्पीकर, मुझे दो मिनट दीजिये।

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइये। उन्हें शान्तिपूर्वक सुनने दीजिये। आप लोग अपना स्थान ग्रहण करिये। प्रश्नकाल में बात हो चुकी है। आप सभी लोग बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Madam, I have also given notice on the same subject. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : प्रश्नकाल में हो चुका है। अब आप लोग श्री दासगुप्ता को अपनी बात उठाने दीजिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : प्रश्नकाल समाप्त हो चुका है। आप शून्य प्रहर चलने दीजिये। आप कृपया अपना स्थान ग्रहण कीजिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : पहले श्री दासगुप्ता जी बोलेंगे।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER : Nothing will go on record except what Shri Gurudas Dasgupta says.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : श्री दासगुप्ता जी, आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (गांधीनगर): अध्यक्ष महोदया, मैं प्रातःकाल यहां नहीं था लेकिन मैं अपने ऑफिस में बैठकर टी.वी. स्क्रीन पर देख रहा था कि जब डा. अजनाला बोलने के लिये खड़े हुये तो आपने कई बार यह कहा था कि प्रश्नकाल के तुरंत बाद आप उन्हें बोलने का अवसर देंगी। उसके बाद सुषमा जी और अन्य लोग उस विषय पर कुछ कहना चाहते थे। जब वे खड़े हुये और उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि उन्होंने प्रश्नकाल स्थगित करने का प्रस्ताव दिया है।

मुझे याद है कि पूर्व में अगर कभी प्रश्नकाल स्थगित करने का प्रस्ताव होता था और अगर उसके बाद प्रश्नकाल स्थगित होता था तो बाद में शून्यकाल के समय उन्हें सबसे पहले अवसर दिया जाता था। आपने स्वयं अजनाला जी को कहा था कि प्रश्नकाल...(व्यवधान) मेरा आपसे अनुरोध है कि आज एक विषय है, जिस पर चर्चा आरंभ हुई, एक-दो बार स्थगित भी हुई और कुछ मात्रा में चली, कि महंगाई के कारण देश में लोगों को कष्ट है, उसका निवारण कैसे किया जाए?

महोदया, मेरा आपसे अनुरोध है कि जैसे आपने प्रातःकाल में अजनाला जी को कहा, उन्हें इस विषय पर बोलने दीजिए और उसके बाद धीरे-धीरे आगे सदन चले। मेरा आपसे अनुरोध है और आप निर्णय कीजिए।

अध्यक्ष महोदया : मैं आपकी बात समझ रही हूं। नेता प्रतिपक्ष का एक अनुरोध है मगर मैं इस बारे में कुछ कहना चाहती हूं। मैंने जब अजनाला जी और बाकी सम्मानित सदस्यों से कहा कि शून्य काल जैसे ही शुरू होगा, मैं आपको बुलवाऊंगी और अब आप प्रश्नकाल चलने दीजिए, लेकिन उन्होंने मेरी बात नहीं मानी।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रतन सिंह अजनाला : महोदया, बात यह है कि आपने समय नहीं दिया था।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। इस तरह से सदन नहीं चलेगा।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रतन सिंह अजनाला : महोदया, मैंने दो-तीन बार कहा था, लेकिन आपने समय नहीं दिया। मैंने तीन बार नोटिस दिया। ऐसे कैसे चलेगा?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : इस तरह से सदन नहीं चलेगा। आपके बिहाफ पर नेता प्रतिपक्ष ने अनुरोध किया और मेरा मन था कि मैं आपको बुलाऊं। आप हर बात पर खड़े हो जाएंगे और इतना ज्यादा उत्तेजित होंगे तो इस तरह से सदन नहीं चलेगा। जहां तक नोटिस की बात है आप 4 तारीख को आये थे, मैंने कहा था कि मैं आपको बुलाऊंगी। उस दिन शून्य प्रहर में और मसले उठे। जब शून्य प्रहर

हमने सुचारू रूप से चलाना शुरू किया, उस समय आप यहां नहीं थे। आपका नाम पुकारा गया और आप लोग यहां पर नहीं थे। जो भी कारण हो आप लोग यहां पर नहीं थे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप शांत रहिए। आप बिल्कुल शांत रहिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप शांत रहेंगे, क्योंकि नेता प्रतिपक्ष ने अनुरोध किया है इसलिए मैं सिर्फ अजनाला जी को बोलने का मौका दूंगी, अन्य कोई इस विषय पर नहीं बोलेगा। वह बोलेंगे और सिर्फ तीन मिनट बोलेंगे, इससे ज्यादा नहीं बोलेंगे। उसके बाद श्री गुरूदास दास गुप्ता जी बोलेंगे। अब अजनाला जी आप बोलिए।